किसान कल्याण हेतु प्रतिबद्ध मोदी सरकार

वर्ष 2020-21 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन का तीसरा अग्रिम अनुमान

मुख्य फसलों का रिकार्ड उत्पादन 305.44 मिलियन टन

किसानों व वैज्ञानिकों की मेहनत और मोदी सरकार की नीतियों का सुफल

खाद्यान्न – 305.44 मिलियन टन (रिकार्ड)

चावल	: 121.46 मिलियन टन (रिकार्ड)
गेहूं	: 108.75 मिलियन टन (रिकार्ड)
पोषक/मोटे अनाज	: 49.66 मिलियन टन
मक्का	: 30.24 मिलियन टन (रिकार्ड)
दलहन	: 25.58 मिलियन टन
तूर	: 04.14 मिलियन टन
चना	: 12.61 मिलियन टन (रिकार्ड)

तिलहन – 36.57 मिलियन टन

मूंगफली	: 10.12 मिलियन टन (रिकार्ड)
सोयाबीन	: 13.41 मिलियन टन
रेपसीड एवं सरसों	: 09.99 मिलियन टन (रिकार्ड)

गन्ना – 392.80 मिलियन टन

कपास – 36.49 मिलियन गांठें
(प्रति 170 कि. ग्रा.)

पटसन एवं मेस्ता – 9.62 मिलियन गांठें
(प्रति 180 कि. ग्रा.)

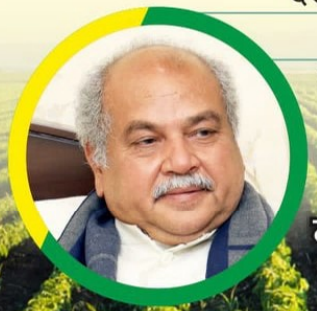

नरेन्द्र सिंह तोमर
कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री, भारत सरकार

/narendrasinghtomarbjp/ /nstomar /bjpnstomar /NarendraSinghTomar /nstomar

कोरोना काल में रिकार्ड पैदावार

तीसरा अग्रिम अनुमान ▶ मानसून, सरकारी प्रोत्साहन व किसानों की मेहनत ने दिखाया रंग

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

शानदार मानसून की संतुलित बारिश, सरकारी प्रोत्साहन और किसानों की जीतोड़ मेहनत का असर चालू फसल वर्ष 2020-21 में खाद्यान्न की पैदावार पर दिखाई देने लगा है। कृषि मंत्रालय की ओर से जारी तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक, कोरोना की आपदा के बावजूद देश में खाद्यान्न की कुल पैदावार रिकार्ड 30.50 करोड़ टन से भी अधिक होने वाली है। खाद्यान्न पैदावार में यह अब तक का सर्वाधिक है। प्रमुख फसल गेहूं व चावल के अलावा दलहनी फसलों में चना और तिलहनी फसलों में मूंगफली की रिकार्डतोड़ पैदावार हुई है। दलहनी फसलों की कुल पैदावार को लेकर जिंस बाजार के संदेह को दरकिनार करते हुए ताजा अनुमान ढाई करोड़ टन से अधिक के उत्पादन का लगाया गया है। इससे बाजार को थामने में मदद मिलेगी।

कोरोना के आपदा काल में सरकार ने किसानों के हित में कई योजनाएं शुरू की हैं। खाद्यान्न की पैदावार बढ़ाने के लिए लगभग सभी प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में उत्साहजनक वृद्धि की है। देश की आर्थिक दशा सुधारने में कृषि क्षेत्र की भूमिका के मद्देनजर सरकार ने पीएम-किसान के मार्फत किसानों को आर्थिक मदद मुहैया कराई है। इसका प्रभाव पिछले पांच वर्षों के दौरान कृषि उत्पादन पर दिखाई देने लगा है।

फसल वर्ष 2020-21 के तीसरे अग्रिम अनुमान में खाद्यान्न की कुल पैदावार 30.54 करोड़ टन होगी। यह पिछले साल की कुल पैदावार 29.75 करोड़ टन की पैदावार के मुकाबले 79.4 लाख टन अधिक है। पिछले पांच वर्षों में फसलों की कुल पैदावार में ढाई करोड़ टन से अधिक की वृद्धि हुई है। चालू फसल वर्ष 2020-21 में चावल की कुल पैदावार रिकार्ड 12.15 करोड़ टन होने का अनुमान है। गेहूं जैसी फसल की कुल पैदावार 10.88 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया गया है। यह पैदावार पिछले पांच वर्षों में 83 लाख टन बढ़ गई है। मोटे अनाज वाली फसलों की पैदावार 4.97 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया गया है। पिछले फसल वर्ष 2019-20 में इन फसलों की कुल पैदावार 4.78 करोड़ टन थी। इस बार कुल 19.1 लाख टन अधिक पैदावार होने का अनुमान है।

फसल वर्ष 2020-21 के दौरान कुल दलहनी फसलों का उत्पादन 2.56 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि बाजार में दलहनी फसलों की पैदावार घटने की अफवाह के बाद भारी तेजी का रुख है। इसी के मद्देनजर सरकार ने कीमतों पर काबू पाने के लिए आयात समेत कई सारे कदम उठाए हैं।

(तिलहनी फसलों की पैदावार को लेकर सरकार उत्साहित पेज-3)

- गेहूं, चावल और चना में अब तक की सर्वाधिक पैदावार
- दलहनी फसलों का उत्पादन ढाई करोड़ टन से भी अधिक होने की संभावना
- कोरोना काल में सरकार ने किसानों के हित में शुरू की हैं कई योजनाएं
- प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में की गई है उत्साहजनक वृद्धि

नकदी फसलों का बंपर उत्पादन

- चालू फसल वर्ष के दौरान गन्ने का उत्पादन पिछले पांच वर्षों के औसत उत्पादन से तीन करोड़ टन अधिक है
- नकदी फसलों में प्रमुख कपास की पैदावार 3.65 करोड़ गांठ (170 किलो की एक गांठ) होने का अनुमान है
- पटसन-मेस्ता का उत्पादन 96.2 लाख गांठों (180 किग्रा की गांठ) का अनुमान